

संपादकीय

पांच साल, जारी सवाल

आरंभ में जीएसटी काउंसिल को सहयोगात्मक संघवाद की उत्कृष्ट मिसाल बताया गया था। लेकिन व्यवहार में हालत यह है कि कांग्रेस ने इसकी बैठक में भी 'बुल्डोजर चलाए जाने' का आरोप लगाया है।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के लागू हुए पांच साल पूरे हो गए हैं। पांचवीं सालगिरह से ठीक पहले जीएसटी काउंसिल की बैठक हुई। उसमें घरेलू जरूरत की चीजों पर टैक्स बढ़ाने का फैसला हुआ। इस फैसले से देश की आर्थिक हालत से परिचित लोग अचभित हुए। इसलिए कि इस वक्त जबकि लगभग सारी दुनिया रिकॉर्ड महंगाई झेल रही है, सरकारों से अपेक्षा ऐसे कदम उठाने की है, जिससे मूल्यवृद्धि पर लगाम लगे। जबकि भारत में उलटा फैसला हुआ है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में एक एजेंडा राज्यों की यह मांग भी था कि उनके लिए मुआवजे का प्रावधान चार साल के लिए और बढ़ाया जाए। जीएसटी लागू होते वक्त मुआवजे की पांच साल की अवधि तय की गई थी, जो जाहिर है कि अब पूरी हो चुकी है। इस बीच जीएसटी के आम असर, महामारी और अर्थव्यवस्था की खस्ताहाली के कारण राज्यों माली सेहत का विंगड चुकी है। ऐसे में अगर उनके लिए धन की व्यवस्था नहीं होगी, तो उनके लिए उन जिम्मेदारियों को पूरा करना संभव नहीं रह जाएगा, जिसकी भारतीय संविधान के तहत उनसे अपेक्षा की जाती है। लेकिन इस मांग को अगली बैठक तक के लिए टाल दिया गया।

आरंभ में जीएसटी काउंसिल को सहयोगात्मक संघवाद की उत्कृष्ट मिसाल बताया गया था। लेकिन व्यवहार में हालत यह है कि कांग्रेस ने इसकी बैठक में भी 'बुल्डोजर चलाए जाने' का आरोप लगाया है। दरअसल, एक जुलाई को कांग्रेस ने जीएसटी पर अब तक के अनुभव की जो आलोचना पेश की, उसमें बहुत-सी ऐसी खास बातें हैं, जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस लिहाज से कांग्रेस की यह मांग उचित है कि पांच साल पूरा होने के बाद अब सरकार को सर्वदलीय बैठक बुला कर इसके अमल के तजुबों पर विचार-विमर्श करना चाहिए। लेकिन जब बुल्डोजर सचमुच हमारी राजनीतिक संस्कृति का प्रतीक बन गया है, तब ऐसा होने की उम्मीद कम ही है। बहरहाल, जीएसटी के कारण छोटे और मझौले कारोबार की मुश्किलें जिस तरह बढ़ीं और अब आम उपभोक्ताओं की और बढ़ने वाली हैं, उसे देखते हुए इस मामले में बुल्डोजरी नजरिये का मतलब और भी बड़ी आर्थिक मुसीबतों को न्योता देना होगा।

ट्रेन में सफर करने वालों के लिए जरूरी हैं ये नियम, नहीं माने तो होगी बड़ी परेशानी

नई दिल्ली। अगर आप अक्सर ट्रेन में सफर करते रहते हैं, तो आपको लिए एक जरूरी खबर है। कई बार ऐसा होता है कि मुसाफिर को ट्रेन में पर्यटकी सीट नहीं मिलती। ऐसे में मिडिल बर्थ वालों को ज्यादा परेशानी होती है, लेकिन आपको बता दें कि भारतीय रेलवे के बर्थ से जुड़े कुछ नियम मौजूद हैं। अगर आप उन्हें जानते हैं, तो आपको सफर करते समय किसी विकत का सामना नहीं करना पड़ेगा। मिडिल बर्थ वाले मुसाफिरों को इस परेशानी का सामना करना पड़ता है कि लोअर बर्थ वाले व्यक्ति बहुत देर तक रात तक बैठे रहते हैं। इससे मिडिल बर्थ वालों को बहुत दिक्कत होती है।



वहीं, ऐसा भी देखा जाता है कि मिडिल बर्थ वाले मुसाफिर ट्रेन चलते ही उसे खोल लेते हैं। इसकी वजह से लोअर बर्थ वालों को परेशानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन, इसे लेकर भारतीय रेलवे के कुछ नियम हैं, जिनके बारे में जानकारी होने पर व्यक्ति को किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ेगा। भारतीय रेलवे के नियम के मुताबिक, आपको बता दें कि मिडिल बर्थ पर सफर कर रहा व्यक्ति अपनी बर्थ पर सिर्फ रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ही सो सकता है। इसका मतलब है कि आप चाहें तो मिडिल बर्थ वाले व्यक्ति को रात 10 बजे से पहले उसकी बर्थ खोलने से रोक सकते हैं। वहीं, नियम में कहा गया है कि मिडिल बर्थ वाले व्यक्ति को सुबह 6 बजे के बाद बर्थ को नीचे कर देना होगा, जिससे लोअर बर्थ पर बैठा जा सके। दूसरी तरफ, अगर लोअर बर्थ वाले देर रात तक अपनी सीट पर बैठे हैं, जिससे मिडिल

बर्थ वालों को परेशानी हो रही है, तो मिडिल बर्थ वाला व्यक्ति उन्हें 10 बजे उठा सकते हैं। वहीं, भारतीय रेलवे का एक और अहम नियम है, जिसकी मुसाफिरों को जानकारी होनी चाहिए। आपको बता दें कि ट्रेवल टिकट एजाइमर यानी टीटीई सिर्फ रात 10 बजे तक ही आपकी टिकट चेक कर सकता है। रात 10 बजे के बाद वह आपकी टिकट चेक करने नहीं आ सकता। रेलवे के नियम के मुताबिक, टीटीई को सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही टिकट चेक करने की इजाजत दी गई है। यह नियम इसलिए बनाया गया है, जिससे मुसाफिर रात को सोते समय परेशान न हो सकें।

सामना नहीं करना पड़ेगा। भारतीय रेलवे के नियम के मुताबिक, आपको बता दें कि मिडिल बर्थ पर सफर कर रहा व्यक्ति अपनी बर्थ पर सिर्फ रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ही सो सकता है। इसका मतलब है कि आप चाहें तो मिडिल बर्थ वाले व्यक्ति को रात 10 बजे से पहले उसकी बर्थ खोलने से रोक सकते हैं। वहीं, नियम में कहा गया है कि मिडिल बर्थ वाले व्यक्ति को सुबह 6 बजे के बाद बर्थ को नीचे कर देना होगा, जिससे लोअर बर्थ पर बैठा जा सके। दूसरी तरफ, अगर लोअर बर्थ वाले देर रात तक अपनी सीट पर बैठे हैं, जिससे मिडिल

अपनी चाय को स्ट्रॉन बनाने के लिए मिलाएं कुछ जड़ी बूटियां, मानसून का लें मजा

मानसून ने गर्म-गर्म चाय का मजा लेना और बालकनी में खड़े होकर बारिश को देखना, ऐसी इच्छा सभी की होती है। लेकिन अगर सर्दी, जुकाम, खांसी आदि से बचाना चाहते हैं तो आप अपनी चाय में कुछ ऐसी जड़ी बूटियां को मिला सकते हैं, जिनके सेवन से आप मानसून में होने वाली सभी समस्याओं से बच सकते हैं। आज का हमारा लेख उन्हीं जड़ी बूटियों पर है। आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि आप अपनी चाय में किन जड़ी बूटियों को मिला सकते हैं।



हल्दी- जब बारिश शुरू होती है, तो हल्दी, जिसमें करक्यूमिन, डेस्मैथोक्सीकरक्यूमिन और बिस्-डेस्मैथोक्सीकरक्यूमिन की ताकत होती है, हमारे शरीर के अंदरूनी हिस्से को मजबूत कर सकती है। जड़ी बूटी की जीवाणुरोधी विशेषताओं के कारण, यह मानसून के मौसम में होने वाले कई संक्रमणों का इलाज कर सकता है। हमारे वजन घटाने के कार्यक्रम के लिए हल्दी की चाय के अतिरिक्त फायदे हैं।

तुलसी- चिकित्सीय जड़ी बूटियों के क्षेत्र में तुलसी एक प्रसिद्ध रॉकस्टार है। एक कप तुलसी की मिश्रित चाय छाती की भीड़ को कम करेगी, हमारी नाक को खोल देगी और बीमारी को खत्म कर देगी। तुलसी में पाए जाने वाले विटामिन ए, डी, आयर्न, फाइबर और अन्य घटक बैक्टीरिया को नष्ट करने और प्रतिरक्षा में सुधार करने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, तुलसी अच्छे मौखिक और दंत स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए एक शानदार जड़ी बूटी है।

सतपत्ता- मौसम के कारण मच्छरों की आवाही में वृद्धि और मलेरिया का खतरा दोनों बढ़ गए हैं। इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई

में प्राचीन सतपत्ता का पेड़ एक शक्तिशाली हर्बल हथियार है। इस जड़ी बूटी, जिसे सफेद चीजवुड भी कहा जाता है, में शक्तिशाली मलेरिया-रोधी गुण होते हैं। इसके ज्वरनाशक प्रभाव बुखार को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह मलेरिया के लिए शरीर के समग्र प्रतिरोध को मजबूत कर सकता है। अंतिम लेकिन कम से कम, यह त्वचा की कई समस्याओं के साथ-साथ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल दर्द से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। अरक- जबकि बारिश के दौरान सड़क पर खाना बेहद आकर्षक हो सकता है, पेड़ के एक भयानक मामले के साथ आता है। इस वजह से, हमारी चाय में अदरक मिलाना एक शानदार विचार है। अदरक एक ऐसी जड़ी-बूटी है जो पाचन और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है, जो हमारे आंत को काम करने में मदद करती है। मोशन सिकनेस या मॉर्निंग सिकनेस के कारण होने वाली मतली को नियंत्रित करने के लिए भी यह एक बेहतरीन पेय है। गुड़हल- चाय में शामिल करने के लिए गुड़हल एक महत्वपूर्ण घटक है, खासकर जब बारिश होती है, क्योंकि यह बीटा-कैरोटीन, विटामिन सी और एंथोसायनिन से भरपूर होता है। जड़ी बूटी हमारी आंतरिक प्रतिरक्षा प्रणाली को संतुलन में रखती है, एक अवांछित बीमारी या संक्रमण के उद्भव को विफल करती है।

फिर एक फिल्म में साथ दिखेंगे प्रभास और अनुष्का शेट्टी

दक्षिण भारतीय अभिनेता प्रभास और अनुष्का शेट्टी की जोड़ी परें पर हिट रही है। बाहुबली में इन दोनों ने अपने अभिनय का शानदार नमूना पेश किया था। फैंस से लेकर समीक्षकों तक ने उनकी बॉन्डिंग को पर्यट किया था। अब एक ऐसी खबर आ रही है, जिसे जानकर प्रभास के फैंस झूम उठेंगे। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि प्रभास और अनुष्का एक बार फिर एक फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रभास और अनुष्का एक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। खबरों की



शब्द सामर्थ्य- 128. 1. चुम्बक-फिराव चाला, आड़ा-लिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, कथन या बात 19. प्रख्यात दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, मिलावट 22. विफल, बेहोश, क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक 1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प प्रयत्न, समरथा 20. सहायता, चेहरे का लाल होना 13. 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. सहारा 21. पशुओं को छिलाने अधीनता, मातहतता, वश 14. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण करना, कहलाना 12. तिरकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रयत्न, समरथा 20. सहायता, चेहरे का लाल होना 13. 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. सहारा 21. पशुओं को छिलाने वाली हरी पत्तियां, तुण, तिनका।

ट्विटर की बड़ी घोषणा, 44 अरब का अधिग्रहण सौदा खत्म करने को लेकर मस्क पर दर्ज करेगा मुकदमा

सैन फ्रांसिस्को। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने 44 अरब डॉलर के अधिग्रहण सौदे को समाप्त कर दिया है, इसको लेकर अब माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने शनिवार को घोषणा की वह मस्क पर मुकदमा दर्ज करेगा। एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए मस्क की कानूनी टीम ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि वह सौदे को समाप्त कर रहा है, क्योंकि ट्विटर उनके समझौते के भौतिक उल्लंघन में था और बातचीत के दौरान झूठे और भ्रामक बयान दिए थे। ट्विटर के अध्यक्ष ब्रेट टेलर ने एक ट्वीट में कहा, बोर्ड मस्क के साथ सहमत कीमत और शर्तों पर लेनेदान को बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है और विलय समझौते को लागू करने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि हम डेलीवेयर कोर्ट ऑफ चान्सरी में जीत हासिल करेंगे। मस्क ने प्लेटफॉर्म पर स्पीम/फर्जी खातों और बोट्स की वास्तविक संख्या पर सौदे को रोक दिया था। इस सबको लेकर ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल से जवाब

दिया। ट्विटर ने गुरुवार को दावा किया था कि वह एक दिन में 10 लाख से अधिक स्पैम खातों को निलंबित कर रहा है। ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल ने पिछले अपडेट में कहा था कि यह प्लेटफॉर्म एक दिन में 500,000 स्पैम खातों को हटा रहा है। अग्रवाल ने मई में ट्वीट करके बताया था कि टीम हर दिन पांच लाख से अधिक स्पैम खातों को निलंबित करती है। कंपनी के सामान्य वकील, सीन एडोर्ट ने कर्मचारियों को विलय के बारे में किसी भी टिप्पणी को ट्वीट करने, स्लैक करने या साझा करने से बचने के लिए कहा है। एडोर्ट ने आगे लिखा, मुझे पता है कि यह एक अनिश्चित समय और हम आपके धैर्य और हमारे द्वारा चाल रहे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं।

सू-दोकू- 128. 9 2 1 7 5 1 3 8 5 8 3 7 5 4 7 1 8 2 6 3 1 9 7 8 4 5 7 8 3 6 4 1 9 2 1 9 4 5 2 8 7 3 6 4 5 7 2 8 3 9 6 1 3 1 6 9 4 5 8 2 7 8 2 9 7 1 6 3 4 5